

को 21 स्क्वाड्रन और 116 हेलीकॉप्टर यूनिट को ध्वज प्रदान करने के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का अभिभाषण

जोधपुर : 04.03.2015

मुझे, राजस्थान सेक्टर में भारत के सबसे पुराने और प्रमुख हवाई ठिकानों में से एक वायुसेना स्टेशन, जोधपुर में 21 स्क्वाड्रन तथा 116 हेलीकॉप्टर यूनिट को ध्वज प्रदान करने के लिए आज यहां आकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इन व शष्ट उड़ाका यूनिटों का गौरवपूर्ण इतिहास और पेशेवराना उत्कृष्टता की शानदार वरासत रही है। अपने गठन के समय से ही उन्होंने राष्ट्र की शानदार सेवा की है और हमें गौरवान्वित किया है। उनकी समृद्ध वरासत तथा उत्कृष्टता प्राप्ति की दिशा में शानदार प्रयासों ने दूसरों के द्वारा अनुकरणीय मापदंड स्थापित किए हैं। निस्वार्थ समर्पण, पेशेवराना निष्पादन तथा कठिनाइयों के समक्ष उनके साहस के लिए राष्ट्र उन्हें आज कृतज्ञता एवं सराहना के जज़बे का साथ सम्मानित करता है।

2. भारतीय वायुसेना भारतीय वायु सीमाओं की सुरक्षा तथा देश की संप्रभुता की रक्षा के अपनी दायित्व को पूरा कर रही है तथा इसने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपने नागरिकों को सहायता भी प्रदान की है। हवाई लड़ाकों द्वारा दर्शाई गई सहनशीलता तथा दृढ़ता देश के लिए प्रेरणा का महान स्रोत तथा सम्मान की बात है। वायुसेना द्वारा पछले दिनों पूरे किए गए बड़े पैमाने पर राहत कार्य हमारी स्मृति में अंकित हैं। राष्ट्र को भारतीय वायुसेना पर अत्यंत गर्व है तथा वह उनकी निःस्वार्थता और बलिदान के लिए हवाई लड़ाकाओं का ऋणी है।

3. एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत शांति एवं स्थिरता के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है जिसके लिए हमें कारगर निवारक तथा एक मजबूत सुरक्षा बल की जरूरत है। जहां देश सर्वांगीण आर्थिक विकास और अपने नागरिकों की सामाजिक सशक्तता के लिए प्रयासरत है वहीं हमारी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हम अपनी रक्षा क्षमताओं में वृद्धि पर भी पूरी तरह ध्यान दे रहे हैं। इस प्रकार राष्ट्र के विकास के मार्ग पर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा जो विश्वास पैदा किया गया है वह वास्तव में प्रशंसनीय है। जो हवाई लड़ाके आज हमारे सामने खड़े हैं, वे सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण करने में साहस तथा दृढ़ निश्चय के प्रतीक हैं। मैं इस अवसर पर परेड में शामिल सभी हवाई लड़ाकों को उनकी सटीक कवायद तथा आकर्षक वेशभूषा के लिए बधाई देता हूं।

4. 21 स्क्वाड्रन को, जिसे 'अंकुश' के नाम से जाना जाता है, 1965 में जीनेट मेक-I विमान के साथ अंबाला में गठित किया गया था। इस स्क्वाड्रन ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग

लया था जिसमें इसने 108 वायु रक्षा मशन पूरे कए तथा तीन वायुसेना मेडल से अलंकृत हुआ। 1999 में आपरेशन सफेद सागर के दौरान इस स्क्वाड्रन को श्रीनगर घाटी की रक्षा का दायित्व सौंपा गया था। व भन्न सं क्रयाओं के दौरान इस स्क्वाड्रन के का र्मकों के प्रशंसनीय कार्यो की वीरता पदकों से सराहना और प्रशंसा की गई है। वर्षो के दौरान, इस स्क्वाड्रन ने व भन्न स्थानों से जीनेट मेक-I तथा मग 21 वमानों का सफलतापूर्वक संचालन कया है। इस स्क्वाड्रन ने सदैव अपने ध्येय वाक्य 'स द्वर्वसति साहसे' अर्थात् सफलता साहस में निहित होती है को साकार कया है तथा मुझे वश्वास है क वे आने वाले समय के दौरान भी उत्कृष्ट बने रहेंगे।

5. 116 हेलीकॉप्टर यूनिट का एक शानदार सं क्रयात्मक इतिहास रहा है। इसे अगस्त 1967 में एमआई-4 हेलीकॉप्टरों के साथ सरसावा में गठित कया गया था। बाद में इस यूनिट ने चेतक तथा हाल ही में ध्रुव हेलीकाप्टर का शानदार ढंग से सफलतापूर्वक संचालन कया है। टैंकरोधी निर्दे शत प्रक्षेपास्त्र से सज्जित यह पहली हेलीकॉप्टर यूनिट थी। इस लए इसे 'टैंक बस्टर्स' का नाम दिया गया था जो यह आज भी गर्व के साथ धारण कए हुए है। इस यूनिट ने हताहतों को हटाने, संभारिकी सहायता, सशस्त्र टोह तथा सेना के सहयोग जैसे व भन्न भू मकाओं में बहुत सी सं क्रयाओं में भाग लया। इस यूनिट ने फंसे हुए लोगों को राहत पहुंचाने तथा बहुत बड़ी संख्या में जानें बचाने के लए व भन्न अवसरों पर बड़ी संख्या में उड़ानें भरीं। इस लए उनका ध्येय वाक्य 'आपत्सु मत्रम' अर्थात् आपत्ति के दौरान मत्र राहत और बचाव कार्यो के संचालन के दौरान यूनिट के महान तथा शौर्यपूर्ण दायित्वों को परिल क्षत करता है। मुझे वश्वास है क 'टैंकबस्टर्स' आने वाले वर्षो में और सुदृढ होते रहेंगे।

6. उनके उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन की सराहना और मान्यता के रूप में मैं 21 स्क्वाड्रन तथा 116 हेलीकॉप्टर यूनिट को ध्वज प्रदान करता हूं। इस अवसर पर मैं 21 स्क्वाड्रन तथा 116 हेलीकॉप्टर यूनिट के भूतपूर्व एवं वर्तमान का र्मकों और परिवारों की उनकी निःस्वार्थ सेवा तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण के लए सराहना करता हूं। राष्ट्र को वास्तव में आप पर गर्व है। मैं गौरवशाली भ वष्य के लए आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिंद।